

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग П—सण्ड 3—उपसण्ड (i)]
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकारित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 154]

मई दिल्भी, स.मजार, ५% 23, 1972/ज्ये ३५ 8, 1894

No. 151]

NIV DILHI, MO (DAY, MAY 29, 1971/JYAISTHA 8, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ रांख्या दी जारी है जिससे कि यह अलग संकरून के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

LOK SABHA SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th May, 1972

G.S.R. 299(E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of sub-section (3) of section 9 of the Salaries and Allowances of Members of Parliament Act, 1954 (30 of 1954), the Joint Committee constituted under sub-section (1) of that section, after consultation with the Central Government, hereby makes the following rules further to amend the Housing and Telephone Facilities (Members of Parliament) Rules, 1956, the same having been approved and confirmed by the Chairman of the Council of States and the Speaker of the House of the People as required by sub-section (4) of the said section, namely:—

- 1. These rules may be called the Housing and Telephone Facilities (Members of Parliament) Amendment Rules, 1972.
- 2. In the Housing and Telephone Facilities (Members of Parliament) Rules, 1956, after rule 2, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "2-A. Retention of Government accommodation after the death of a Member.

 —In the case of death of a member during the term of his office, the members of his family shall be entitled to retrin the accommodation on the same rate of ren' as was payable by the member immodiately before his death, for a maximum period of two months after which the allotment shall be deemed to be cancelled."

[No. F. 4/1/MSA/71.]

S. L. SHAKDHER, Secy.

लोक सभा समिवालय

धिधसूचना

नई दिल्ली, 29 मई, 1972

सावकावित 299(म्).—संसद् सदस्यों के सम्बल्यों भीर भन्तों से सम्बन्धित मिनियम, 1954 (1954 का 30) की घारा 9 की उप-धारा (3) के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त मिन्तियों का प्रयोग करते हुए, उस धारा की उप-धारा (1) के भ्रधीन गठित संयुक्त समिति, केम्द्रीय सरकार से परामर्भ करके, प्राथास भीर टेलीफोन सुविधा (संसद् सदस्य) नियम, 1956 में भीर संगोधन करने के लिए एतद्दारा निम्नलिखित नियम बनावी है, जिनको उन्त धारा की उपधारा (4) की भ्रषेक्षानुसार राज्य सभा के सभापति भीर लोक सभा के भ्रष्ट्यक्ष द्वारा भनुमोदित भीर पुष्ट कर दिया गया है, भ्रषात् :—

- 1. इस नियम का नाम भावास भौर टेलीफोन सुविधा (संसद् सदस्य) संशोधन नियम, 1972 होगा ।
- 2. बावास और टेलीफोन सुविधा (संसद् मदस्य) नियम, 1956 में, नियम 2 के पश्चात् निम्नलिखित नियम ब्रतः स्थानित किया जाएगा, ब्रार्थात् :---
 - "2क. किसी सदस्य की मृत्यु के पश्यात् सरकारी ग्रावास रखे रहता.—यदि किसी सदस्य की उसकी पदावधि के दौरान मृत्यु हो जाती है तो उसके परिवार के सदस्य उस ग्रावास को उसी किराये की दरपर जो उस सदस्य द्वारा ग्रपनी मृत्यु से ठीक पूर्व देय थी, श्रधिकतम वो मास की श्रवधि तक रखे रहने के लिए हकदार होंगे जिसके पश्चात् ग्रावंटन रह हुआ समझा आएगा।

[सं० फा० 4/1/एम० एस० ए/71]

एस० एल**० शकधर, सचिव ।**...